विचार बिन्दु

आपत्ति काल में हमारी अजीब-अजीब लोगों से पहचान हो जाती है, जो अन्यथा संभव नहीं। –शेक्सपीयर

एंटी पेपर लीक कानून लागू, क्या लीक प्रूफ परीक्षा की गारंटी होगी?

पेपर लीक और परीक्षाओं में भारी गड़बड़ी को लेकर देश भर में संकट छाया हुआ है। कई परीक्षायें रद्द हो गई हैं। कई रद्द होने की कगार पर हैं। करोड़ों छात्रों का भविष्य दांव पर है, भविष्य अंधकार मय है। अधिकांश शासन वर्ग के लोग लक्ष्मी के पीछे अंधी दौड़ दौड़ रहे हैं, बौराये हुये हैं। नदियों पर बने पुल बनते समय ही टूट जावें। इन्हें क्या लेना देना? नकली दवायें, नकली खाद्य पदार्थ आदि की खबरें पढ़कर जीने से ही डर लग रहा है। रिश्वत का बोल बाला है। कैसा है मेरा लोकतंत्र यहाँ विष भी नकली बिकता है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग का उच्च कर्मचारी ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो तो आप क्या कहेंगे। लोकतंत्र के तीनों पायों पर भी ईमानदारी पर संदेह है। घरों में रद्दी से भी अधिक नोटों की गड्डियां मिली हैं, जिन्हें गिनने पर मशीन की कमर ही टूट जाती है। सरकारें हमने चुनी हैं, सोचा था जनता की सेवा होगी, काम होगा, किन्तु वे तो जनता का ही गला घोट रहे हैं। जनता हर जगह ठगी जा रही है। लीक पेपर से पास होने वाले डॉक्टर से क्या आप सही इलाज की सोच सकते हैं? ऐसा करना क्या किसी लोकतंत्र देश के नागरिक को शोभा देता है? आदमी अपना ईमान ही बेच चुका है। जानवर शायद ज्यादा वफादार है। वर्तमान में पेपर लीक व परीक्षाओं में होने वाली गडबडियों को देखकर यह समझ में आ रहा है कि हम सुधरना ही नहीं चाहते। कानून कितने ही बनें, कुछ नहीं होने वाला है। आप कितनी ही जांच करा लें, जनता का विश्वास तो कहीं खो चुका है। केन्द्र सरकार, लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम 2024 लेकर आई है, क्या उपरोक्त देश की परिस्थितियों में नया कानून कुछ कर पायेगा? जब हम सुधरना ही नहीं चाहते। पूरे देश की स्थिति यही है। आंकडों में कहते हैं, राजस्थान सबसे आगे है। नीट 2021, लाइब्रेरियन भर्ती परीक्षा, वरिष्ठ अध्यापक भर्ती परीक्षा, स्वास्थ्य सहायक संविदा भर्ती परीक्षा, पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा, कोर्ट एलडीसी भर्ती परीक्षा आदि आदि गिनते जाओ, अन्तहीन मामला है। कोर्ट में कई मामले लम्बित हैं, जल्दी निर्णित हो जावें, उम्मीद कम ही है। देशभर में शिक्षा व स्वास्थ्य विभाग पेपर लीक के मामले में आगे हैं, वे भी नियोजित रूप में।

नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी (NTA) नीट नेट जैसी नेशनल स्तर की 15 भर्ती परीक्षायें करा रही हैं। इनकी कार्य प्रणाली संदेह व सवालों के घेरे में है। नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी (एनटीए) ने सीएसआईआर यूजीसी नेट परीक्षा को स्थगित कर दिया है, जिनके कारण गम्भीर सवाल पैदा हो गये हैं।

इस समय सबसे अधिक चर्चा में एनटीए द्वारा कराई जाने वाली नीट की मेडिकल प्रवेश परीक्षा। यूजीसी नेट 18 जून को होनी थी वह 19 जून को रद्द कर दी गई। इसमें 9,08,580 छात्रों ने परीक्षा दी थी। इसमें सफल अभ्यर्थी असिस्टेन्ट प्रोफेसर, जूनियर रिसर्च फेलोशिप के लिये पात्र होते हैं। स्थगित करने का कारण शिक्षा मंत्री ने कहा कि टेलीग्राम पर पर्चा आ गया था। मूल पत्र से मिलाया तो वह सही पाया गया।

विभिन्न परीक्षाओं में कई अनियमिततायें पाई गईं। कई मामलों में सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाया गया। कई केन्द्रों पर अनिवार्य दो सीसीटीवी केमरे काम नहीं कर रहे थे (बंद थे)। कुछ जगह प्रश्न पत्र रखने वाले स्ट्रोंग रूम खुले मिले। कहीं सुरक्षा कर्मचारी नहीं मिले।

राजनीतिक पार्टियों ने एनडीए सरकार व शिक्षा मंत्री को घेरने की योजना बना रखी है किन्तु इससे क्या होगा? सभी पार्टियां एक आवाज में बोलती हैं दोषी को सजा दो। सुप्रीम कोर्ट बहुत तत्परता से समीक्षा कर रही है। गुनाहगारों के चेहरों की नकाब हट रही हैं, सजा होगी ही, किन्तु यह भी समस्या का निदान तो नहीं है। सरकार के पास एक ही इलाज है, नया कड़ा कानून बनाया जावे ताकि गुनाहगार बच नहीं पायें। संकल्प अच्छा है किन्तु क्या सफलता मिल पायेगी?

उपरोक्त विचारधारा से प्रेरित होकर केन्द्र सरकार एक नया कानून लेकर आई है। इसका नाम है सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधन की रोकथाम) अधिनियम, 2024 इसका उद्देश्य है धोखाधडी पर अंकुश लगाना और सार्वजनिक परीक्षाओं की शुचिता को अक्षुण्ण बनाये रखना। अत: यह अधिनियम सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों के प्रयोग को रोकेगा तथा इससे संबंधित या इससे आनुबंगिक विषयों का उपबंध करेगा। इसका कार्य क्षेत्र काफी व्यापक रखा गया है। इस विधेयक के तहत् कोई जमानत नहीं होगी, कोई समझौता नहीं होगा और अपराध संज्ञेय होगा। इस कानून को संसद ने 6 फरवरी 2024 को पारित किया है और 9 फरवरी 2024 को राज्य सभा ने पारित किया है। केन्द्र सरकार की अधिसूचना जो भारत के गजट में प्रकाशित हुई है यह कानून के अनुसार 21 जून, 2024 से लागू हो चुका है। इसके द्वारा सरकार परीक्षाओं में धोखाधडी व गडबडियों को रोकने का संकल्प है। इस केस द्वारा गुनाहगारों को Unfair Means के आधार पर 3 साल से 5 साल की सजा और 10 लाख रूपये का जुर्माना इग्हा लगाये जाने की व्यवस्था है।

कैसा है मेरा लोकतंत्र, यहाँ विष भी नकली बिकता है। भ्रष्टाचार निरोधक विभाग का उच्च कर्मचारी ही भ्रष्टाचार में लिप्त हो तो आप क्या कहेंगे। लोकतंत्र के तीनों पायों पर भी ईमानदारी पर संदेह है। घरों में रद्दी से भी अधिक नोटों की गड्डियां मिली हैं, जिन्हें गिनने पर मशीन की कमर ही टूट जाती है।

इस अधिनियम का उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकना और दण्डित करना है। अनुचित गतिविधियों में प्रश्न पत्र लीक करना, उत्तर पुस्तिकाओं में छेड़छाड करना, बैठने की व्यवस्था में हेराफेरी करना, पैसे के लाभ के लिये धोखाधडी करने के लिये फर्जी वेब साईट बनाना और फर्जी परीक्षा आयोजित करना आदि हैं।

परीक्षा संचालन के संबंध में कोई संगठित अपराध करते पाया जावे तो उसे 10 वर्ष की कैद व कम से कम एक करोड़ रूपये का जुर्माना भरना होगा। यह भी प्रावधान रखा है कि जब तक नई भारतीय दण्ड संहिता लागू रहेगी।

धारा 2(k) में "Public Examination" सार्वजनिक परीक्षा को परिभाषित किया गया है। इसके अनुसार अनुसूची में दी गई पब्लिक एग्जामिनेशन ऑथोरिटी द्वारा संचालित होने वाली परीक्षायें आवेंगी।

इस अधिनियम 2024 में यह भी व्यवस्था है कि यदि जांच के दौरान यह पता चलता है कि अपराध में सरकारी कर्मचारी शामिल है या उसकी सहमति से अपराध हुआ है तो उसे न्यूनतम 3 वर्ष और अधिकतम 10 वर्ष की सजा हो सकती है साथ ही एक करोड़ रूपये का जुर्माना भी देय होगा।

वर्तमान में जो केसेज पेपर लीक के हैं, उन पर यह कानून लागू नहीं होगा, क्योंकि आपराधिक कानून Prospective रूप से ही लागू होता है।

सार्वजनिक परीक्षा से तात्पर्य है जिनका उल्लेख विधेयक की अनुसूची में दिया है, जैसे संघ लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षण सजेन्सी, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान और भर्ती के लिये केन्द्र सरकार के विभाग और सम्बद्ध कार्यालय।

सार्वजनिक परीक्षाओं से संबंधित अपराध में शामिल हैं प्रश्न पत्र या उत्तर कुंजी तक अनाधिकृत पहुंच या लीक। सार्वजनिक परीक्षा में उम्मीदवार की सहायता करना कम्प्यूटर नेटवर्क या संसाधनों से छेड़छाड़ करना, मेरिट सूची या रैंक को शॉर्ट लिस्ट करना, नकली परीक्षा आयोजित करना नकली एडमिट कार्ड या ऑफर लेटर जारी करना।

नीट सूची परीक्षा में अनियमितताओं को लेकर और गड़बडियों को देखते हुये, प्रतिदिन नये नये खुलासे हो रहे हैं। इसके तार बिहार के बाद महाराष्ट्र से भी जुडते दिखाई दे रहे हैं। सीबीआई ने इन अनियमितताओं और गड़बडियों को लेकर, शिक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी के आधार पर कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करा दी है और जांच भी प्रारम्भ हो चुकी है। यह एफआईआर आईपीसी की धारा 120बी व धारा 420 व अन्य धाराओं के तहत् है, क्योंकि नया कानून 21 जून 2024 से लागू हुआ है। मामले में गिरफ्तारी भी हुई हैं। 4 व्यक्तियों तीन टीचर हैं, जिनके विरूद्ध एफआईआर हैं। कई लोगों के नाम आ चुके हैं, जिन्होंने मुख्य भूमिकायें अदा की हैं। धांधली के तार पाँच राज्यों में फैले हुये मिले हैं। मुख्य लोगों में कुछ फरार हैं। मनीष की तलाश है। आशुतोष, संजीव मुखिया, प्रभात रंजन, यतिन यादव व सिकन्दर यादवेन्दु आदि मुख्य भूमिकाओं में हैं। कहा जाता है कि 20 परीक्षार्थी होटल में ठहराये गये थे। मनीष को छत पर पेपर जलाते हुये देखा गया है। गिरफ्तारियां भी हुई हैं।

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित व्यवहार और प्रश्न पत्र) लीक से निपटने के लिये नया कानून अनुसूचित किया गया है, इसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों को रोकना और दण्डित करना है। पेपर लीक कैसे हो सकता है? कितने लोगों की इस काम में आवश्यकता है। पेपर की कापी कहां से मिलेगी। पैसों का लेनदेन कैसे होगा। पेपर असली है इसकी गारंटी कौन देगा। प्रश्नों के जवाब कौन एक्सपर्ट तैयार करायेगा। परीक्षार्थियों की तलाश कैसे होगी आदि-आदि कई प्रश्न हैं। एनटीए ने परीक्षा में गड़बड़ी में बिहार के 17 व गुजरात के 30 छात्राओं की परीक्षा में बाहर किये जाने का नोटिस दिया है। जिनका उत्तर इस नये कानून में खोजना कठिन लगता है। पेपर लीक मामले में एक नहीं अनेक लोगों की भूमिकायें हैं। इसमें परीक्षार्थी स्वयं और उनके मां-बाप भी हैं। नया कानून आधा अधूरा लगता है। इसमें अनेक संशोधनों की आवश्यकता है अथवा पेपर लीक के केसों के निर्णयों के बाद उन केसों के अनुभवों के आधार पर नया कानून लाया जाना चाहिये। पेपर लीक के मामलों में स्पेशियल कोर्ट के मजिस्ट्रेट भी प्रशिक्षित हों, जिनके पास अपना स्वतंत्र स्टाफ हो और इन्वेस्टिगेटिंग टीम हो तथा केसों का निर्णय अधिक से अधिक 3 माह में होना चाहिये। ध्यान रहे न्याय को सस्ता, सुलभ व त्वरित होना ही चाहिये। संविधान में अनुच्छेद 21 की जो व्याख्या एजा्ब व्ल्ग्म की की है वह चरितार्थ होनी चाहिये।

एनआईए का गठन इसलिये किया था ताकि प्रवेश परीक्षाओं को दोषमुक्त हो सके। अत: इसके स्थान पर अन्य एजेन्सी गठित की जावे।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

दो पाटन के बीच स्वदेशी सोच

अविनाश जोशी

स्वदेशी सोच आधुनिक भारतीय समाज के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। इसका मतलब है अपनी देशीय उत्पादों को प्राथमिकता देना, उन्हें समर्थन देना और स्वदेशी उत्पादों की उपयोगिता बढ़ाना। स्वदेशी सोच विशेष रूप से अर्थव्यवस्था, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है। यह देश की आत्मनिर्भरता और समृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण अभियान है।

भारतीय वस्तुओ के प्रति अनुराग एवम विदेशी वस्तुओ का बहिष्कार यही तो हमारा मुख्य धर्म होना चाहिए। आज की पीढ़ी को यह सब बताना होगा हमे स्वदेशी उद्योगों, शिक्षा, साहित्य, कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। फैशन ही सही लेकिन स्वदेशी मोह हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। खादी एवम सूती कपड़े का प्रचलन स्वदेशी उत्पाद के प्रति जागरूकता का ज्वलंत उदाहरण है। स्थानीय बाजार में स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों और सेवाओं को समर्थन देना और बढ़ावा देना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन सभी पहलों के साथ, स्वदेशी ब्रांड्स को उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक विश्वसनीय, उपयुक्त और रचनात्मक समाधान प्रदान करने के लिए प्रयास करना होगा।

स्वदेशी सोच देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करती है क्योंकि यह उत्पादन, रोजगार, और आय को स्थानीय स्तर पर बढ़ाती है। स्वदेशी उत्पादन और सेवाओं का समर्थन करने से देश में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र का विकास होता है, जिससे सार्वजनिक उत्पादन और सेवाओं की गुणवत्ता भी बढ़ती है। इसके अलावा, स्वदेशी सोच भ्रष्टाचार को कम करने में भी मदद कर सकती है, क्योंकि स्थानीय उत्पादन और सेवाओं को समर्थन करने से विभाजन और अन्य संगठनात्मक असंतोष कम होता है।

स्वदेशी हमारे राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम का मूल-मंत्र था, कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं। उन्नीसवीं सदी में दादा भाई नौरोजी की 'ड्रेन थ्योरी' हो या रमेशचंद्र दत्त की लिखी 'भारत का आर्थिक इतिहास' या सखाराम गणेश देउस्कर लिखित 'देशेर कथा' जैसी पुस्तकें हो, सभी के केंद्र में औपनिवेशिक शासन-तंत्र द्वारा देसी संसाधनों का दोहन व देशी धन-संपदा के विलायत में पलायन को रोकना मुख्य सरोकार थे। आधुनिक हिंदी साहित्य के जनक माने जाने वाले भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपने लेखन से स्वदेशी की अलख जगाई। 1905 का बंग-भंग विरोधी आंदोलन भी स्वदेशी की भावना से ओतप्रोत था जब बंगाल में विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई और उनके बहिष्कार पर बल दिया गया। इस स्वदेशी भाव को राष्ट्रीय स्तर पर बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया महात्मा गांधी ने 1920 में असहयोग आंदोलन आरंभ करके। उन्होंने इसे न केवल विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार तथा उनके अग्निदाह तक सीमित रखा, बल्कि उद्योग-शिल्प, भाषा, शिक्षा, वेश-भूषा आदि सब पर स्वदेशी का रंग चस्पा कर दिया।

स्वदेशी ब्रांड्स के सामने अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स के प्रति लोगों का विश्वास और विचारशीलता बढ़ाने हेतु स्वदेशी ब्रांड्स को अपने उत्पादों और सेवाओं की उच्च गुणवत्ता और प्रदर्शन को संदर्भित करना होगा। लोगों को स्वदेशी ब्रांड्स के उत्पादों के सामाजिक और पर्यावरणीय मूल्यों को समझाना चाहिए। स्वदेशी ब्रांड्स को अपने ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करने के लिए प्रयास करना होगा।

स्वदेशी वस्तुओं के मोह को बढ़ाने हेतु लोगों को स्वदेशी उत्पादों के बारे में जागरूक करें, उनके गुणवत्ता, स्थानीय उत्पादन और पर्यावरणीय लाभों के बारे में बताएं। स्वदेशी उत्पादों का समर्थन करने के लिए लोगों को प्रेरित करें, विशेष रूप से स्थानीय व्यवसायों को समर्थन दें। स्वदेशी उत्पादों की अधिक उपलब्धता सुनिश्चित करें, यह ऑनलाइन या अधिक स्थानीय दुकानों में उपलब्ध हो सकता है। स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करने से देश की समृद्धि और आत्मनिर्भरता में योगदान के महत्व को समझाएं। स्वदेशी ब्रांड्स को बढ़ावा देने के लिए उनका ब्रांड इमेज और विश्वसनीयता को मजबूत करें। स्वदेशी उत्पादों के लिए स्थानीय बाजारों और दुकानों में यात्रा करें, और अपने समर्थन का एक विशेष रूप उन्हें दिखाएं। इन तरीकों का अनुसरण करके, स्वदेशी उत्पादों के मोह को बढ़ा सकते हैं और देश के स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन दे सकते हैं।

ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय स्तर पर स्वदेशी उत्पादों के विकास और प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये उत्पादकों को सीधे बाजार तक पहुँचने का माध्यम प्रदान करते हैं और स्थानीय विकास को समर्थन देते हैं। ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय कला, शिल्प, और संस्कृति को प्रमोट करते हैं, जिससे उनकी अर्थात्मकता बढ़ती है। ये हाट और हस्तशिल्प क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्रदान करते हैं, विशेष रूप से महिलाओं और गरीब वर्ग के लोगों के लिए। ये ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय उत्पादकों के उत्पादों को बाजार में प्रसारित करने का माध्यम होते हैं। ये हाट और हस्तशिल्प स्थानीय शिल्पकला, बुनाई, और अन्य परंपरागत कलाओं को बचाव और संरक्षण का माध्यम भी बनाते हैं। स्थानीय समुदाय के आर्थिक विकास में सहायक होते हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों का उत्थान होता है।

इस प्रकार, ग्रामीण हाट और हस्तशिल्प स्थानीय विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्वदेशी उत्पादों के प्रसार और समर्थन में मदद करते हैं। स्वदेश सोच को केवल एक दिखावा मानना गलत हो सकता है। हालांकि, कुछ लोग इसे सिर्फ आधुनिक एवं कुछ अलग दिख सके इसका माध्यम मानते हैं, लेकिन असल में, स्वदेश सोच एक विचारशीलता और सामाजिक परिवर्तन की दिशा है। यह उत्पादन, वित्तीय स्वावलंबन, और स्थानीय समुदायों के विकास को समर्थन करता है। इसका उदाहरण उत्पादों की स्थानीय खरीदारी, स्थानीय उत्पादन को प्रोत्साहित करना, और विदेशी निवेशों के साथ समर्थन का एकीकरण हो सकता है। इसलिए, स्वदेश सोच वास्तव में सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की अवधारणा है, जो समृद्धि और समाज की उन्नित की दिशा में मदद कर सकती है।

स्वदेशी सोच में खादी का महत्वपूर्ण योगदान है। खादी एक परंपरागत भारतीय वस्त्र है जो देश की स्वतंत्रता संठाम के समय महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। खादी का उत्पादन देश के ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का स्त्रोत बनाता है और स्थानीय विकास को समर्थन करता है।

खादी के उत्पादन में श्रमिकों की संख्या बहुत बड़ी होती है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं। यह उत्पादन भी परंपरागत और स्थानीय वस्त्रों का उत्पादन प्रोत्साहित करता है, जो स्थानीय बाजारों को समृद्ध करता है। इसके अलावा, खादी के उत्पादन में विदेशी निवेशों की कमी होती है, जिससे देश की आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलती है। खादी उत्पादन और उपभोक्ता के बीच संबंध भी स्थापित करता है, जो राष्ट्रीय एकता और गर्व को बढ़ाता है। इस तरह, खादी स्वदेशी सोच के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करती है।

स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन का संगम आधुनिक जीवनशैली में एक महत्वपूर्ण दिशा है। आज के समय में, लोग अपने स्थानीय वस्त्र, शैली, और विरासत को महत्व देते हैं, जो स्वदेशी मानसिकता को प्रोत्साहित करता है। आधुनिक फैशन में स्थानीय अनुभूति, परंपरा, और कला को शामिल किया जाता है। यह लोगों को अपनी संस्कृति के प्रति गर्व महसूस कराता है और स्थानीय कलाओं को प्रोत्साहित करता है। स्वदेशी मानसिकता के साथ, लोग अपने स्थानीय उत्पादों को पसंद और समर्थन करने के लिए प्रेरित होते हैं, जिसमें स्थानीय वस्त्र, उपहार, और आभूषण शामिल हो सकते हैं। इस तरह, स्वदेशी मानसिकता और आधुनिक फैशन दोनों को ही एक मंत्र बना सकते हैं, जो स्थानीय समुदायों को समृद्धि और समाज में गर्व का अहसास कराते हैं।

–अविनाश जोशी,
स्वतन्त्र पत्रकार एवं लेखक

कोडमदेसर तालाब में कम पानी व गर्मी के कारण हजारों मछलियां मरी

अधिकारियों के निर्देश पर पंचायत ने मरी हुई मछलियों को जमींदोज करने का काम शुरू किया

बीकानेर, (निसं)। यहां कोडमदेसर तालाब में कम पानी व गर्मी के कारण हजारों मछलियां मर गई। मौके पर पहुंचे अधिकारियों के निर्देश पर ग्राम पंचायत ने मरी हुई मछलियों को जमींदोज करने का काम शुरू कर दिया है।

श्रीकोलायत उपखण्ड क्षेत्र के प्रसिद्ध भैंरूनाथ मंदिर कोडमदेसर स्थित तालाब में पिछले दो दिनों से मछलियों के मरने का सिलसिला चल रहा है, जिससे तालाब की सतह पर मृत मछलियां नजर आ रही है। मरी मछलियों के कारण गांव में फैली बदबू से परेशान ग्रामीणों ने सरपंच प्रतिनिधि जेठाराम कुम्हार को मामले की जानकारी दी।

मौके पर पहुंचे कुम्हार ने मौका देख एसडीएम राजेंद्र कुमार को जानकारी दी। इसके बाद कोलायत विकास अधिकारी वीरपाल सिंह, सहायक विकास अधिकारी दिलीप सिंह बीका व भवानी सिंह मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली।

- **कोलायत विकास अधिकारी, सहायक विकास अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली, वहीं मत्स्य विभाग के क्षेत्रीय विकास अधिकारी व उनकी टीम मौके पर पहुंची**

दोपहर को मत्स्य विभाग के क्षेत्रीय विकास अधिकारी पूर्णाराम प्रजापत व उनकी टीम मौके पर पहुंची। प्रजापत ने कहा कि कम पानी व गर्मी मछलियों के मरने का कारण है। उन्होंने मृत मछलियों को तालाब से बाहर निकलवाकर मिट्टी में गाढ़ने के निर्देश दिए।

साथ ही तालाब में चूना डालने की बात कही, जिससे पानी साफ हो सके। इस दौरान ग्राम विकास अधिकारी सुनील सुथार, कालूदास, शिवदास सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

सरपंच प्रतिनिधि कुम्हार ने बताया कि तालाब में हजारों की संख्या में मछलियां मरी हुई है। मछलियों को तालाब से बाहर निकालने के लिए दो से तीन दिन लग जाएंगे। इसके लिए पंचायत स्तर पर जेसीबी तथा मजदूरों से काम शुरू करवा दिया है। सरोवर से थोड़ी दूरी पर गड्ढा खोदकर मछलियां दफनाने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

गांव उवार की सड़क पिछले 10 साल से बदहाल हालत में

भरतपुर, (निसं)। गांव उवार की सड़क पिछले 10 साल से बदहाल हालत में है। इस और प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

राहुल उवार के नेतृत्व में गांव उवार में युवाओं के साथ खराब पड़ी सड़क को बनवाने के लिए सड़क पर विरोध किया। राहुल उवार ने कहा है कि मैंने काफी बार इस सड़क के लिए शासन-प्रशासन को ज्ञापन एवं विरोध दर्ज कराकर अवगत कराया है लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि अभी तक इस सड़क का बनने का नाम नहीं है। राहुल उवार ने कहा कि जिला प्रशासन ने होने वाली अग्निवीर भर्ती के लिए तैयारी करना शुरू कर दिया है। लेकिन बड़े दुर्भाग्य की बात है एक महिना भी पूरा नहीं है फिजिकल की तैयारी के लिए युवा इस टूटी-फूटी सड़क पर दौड़ते हैं तो युवा चोटिल होते हैं। राहुल उवार ने बताया कि अगर युवा हाईवे की सड़क पर दौड़ने जाते हैं तो परेशान होते है। कई युवा रेस करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर चुके हैं। राहुल उवार ने कहा कि ग्रामीणों को भरतपुर जाने के लिए इस लिंक रोड से ही गुजरना होता है और आसपास के गांव के लोग भी भरतपुर के लिए इसी रोड से ज्यादातर निकलते हैं तो वह भी कई बार चोटिल हुए हैं और आए दिन एक्सीडेंट होते रहते हैं। राहुल उवार ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर यह सड़क जल्दी से जल्दी नहीं बनती है तो बड़े पैमाने पर शासन और प्रशासन का विरोध करेंगे और सड़क पर उतरकर उग्र आंदोलन दर्ज कराएंगे। राहुल उवार ने क्षेत्रीय विधायक से भी निवेदन किया है कि जल्द से जल्द इस रोड की ओर ध्यान दिया जाए। इस उवार पंचायत ने काफी अच्छी मतों से आपको जीत दिलाई है। इस मौके पर प्रमोद उवार, लोकेश, जीतु, कालू, भूपेंद्र, वेदवीर, द्र, कान्हा आदि मौजूद रहे।

गांव उवार में युवाओं ने खराब पड़ी सड़क को बनवाने के लिए सड़क पर विरोध किया।

- **कई बार इस सड़क के लिए शासन-प्रशासन को ज्ञापन दिया, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है**

राशिफल शुक्रवार 28 जून, 2024

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र दिन 10:11 तक, सौभाग्य योग रात्रि 9:38 तक, बव करण सांय 4:28 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-मीन, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-वृष, शुक्र-मिथुन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज रवियोग दिन 10:11 तक है। राजयोग दिन 10:11 से सांय 4:28 तक है। आज कालाष्टमी, पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:22 तक, लाभ-अमृत 7:22 से 10:47 तक, शुभ 12:30 से 2:12 तक, चर 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:40, सूर्यास्त 7:20

मेष
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

वृष
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

कर्क
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

सिंह
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। अतिथियों के कारण दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है।

धनु
घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी और स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। खान-पान का ध्यान रखें।

मकर
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में धार्मि कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आज मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।